युवा संस्कार

तृतीय संस्करण, वर्ष-2025

Youth Culture

भारत की संतान विशेषांक

HINDU SHINTO BUDDHIST JAIN ZUROASTRIAN SIKH ISLAM CHRISTIAN JUDAISM TAO BAHA'I

महात्मा गाँधी सेवा आश्रम जौरा में राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा आयोजित भारत की संतान मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग में नगर पालिका परिषद् जौरा के अध्यक्ष श्री अखिल माहेश्वरी का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय युवा योजना के ट्रस्टीगण।

महात्मा गाँधी सेवा आश्रम जौरा में राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा आयोजित भारत की संतान मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग में आये हुए विभिन्न राज्यों के प्रतिभागी भाई जी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

NYP'S BULLETIN

युवा संस्कार
Youth Culture

Private Circulation Only **September - 2025**

Youth Culture
Quarterly Magazine, Published by
National Youth Project (NYP)

Inspiration : Late Dr. S.N. SUBBA RAO (BHAI JI)

Editorial Board

Managing Editor : Ran Singh Parmar

Advisors: Rajani E. Joice
Karayil Sukumaran
Madhu Sudan das

Editors: Anil Kumar Gupta
Amit Agrawal

Photos, Design, & Compiled by : Kuldeep Tiwari
Ekta Media Center, Gwalior

Published month and year : September, 2025
Number of copies : 500
Published by: National youth Project
Address: Joura, Dist-Morena
M.P 476221
Email: nypindia@gmail.com
Website: https://www.nypindia.org
Contact: +91 9993592425

Printed at : Lakshya Enterprises,
Add. Old High Court, Gwalior Madhya Pradesh

सहयोग राशि : 50/– रु.

विषय सूची

'भारत की संतान' भाषाई एकता से राष्ट्रीय एकता की ओर (सम्पादकीय) 1

"Children of Bharat": From Linguistic Unity to National Unity (Editorial) 1

'भारत की संतान' प्रकृति, संस्कृति और एकता का सशक्त संगम 3

Bharat Ki Santan: A Powerful Confluence of Nature] Culture and Unity 5

करायिल सुकुमारन जी "जन विज्ञान पुरस्कार" से सम्मानित 7

Karayil Sukumaran Ji Honored with Jan Vigyan Award 7

"नशा मुक्त युवा विकसित भारत" अभियान में राष्ट्रीय युवा योजना की सहभागिता 8

NYP delegates in Nasha Mukt Yuva – Viksit Bharat campaign 9

'भारत की संतान अभियान' प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 9

Bharat Ki Santan Campaign: Training of Trainers 12

वैश्विक युवा महोत्सव 2025 का आयोजन पानीपत में 14

Global Youth Festival 2025 to be held in Panipat 15

राष्ट्रीय युवा सेवा फैलोशिपरू एकता, नेतृत्व और सेवा का राष्ट्रीय अभियान 15

National Youth Service Fellowship: A Campaign for Unity Leadership and Service 16

Editorial.........

"Children of Mother India": From Linguistic Unity to National Unity

To strengthen the unity and integrity of the nation, the "Children of Mother India" campaign run by the National Youth Project is a significant initiative aligned with India's current national needs and cultural renaissance. The training of trainers under this campaign is not merely a training program—it is a vibrant movement for national unity, cultural harmony, and linguistic goodwill.

This innovative program draws its inspiration from the broad vision of Bhai Ji Dr. S.N. Subbarao, who dreamed of maintaining and uniting India through 18 Indian languages. He proved that language is not just a medium of communication, but a bridge that connects hearts.

In one of the sessions organized under this campaign, 40 youth are being trained to present patriotic songs in 18 languages, along with cultural performances in traditional attire of those linguistic regions. Through this, the youth not only learn songs in different languages but also develop affection and respect for those languages and cultures.

This training is a cultural effort in nation-building, conveying a deep message of unity through language, music, dance, and costume. When a young person sings a Punjabi song, wears Marathi attire, or performs a Telugu dance—they begin to see themselves as a representative of India. The National Youth Project aims to spread this spirit across every corner of the country through the "Children of Mother India" campaign.

This campaign is awakening the youth to the consciousness of national unity through linguistic harmony. Bhai Ji's dream was that India's youth should learn, understand, and respect each other's languages and religion so that we may truly experience unity in diversity. The work being done by young brothers and sisters associated with the National Youth Project across the country in this direction is highly commendable. It is our collective duty to take this movement to every citizen and, by becoming "Children of Mother India," transform this campaign into a national cultural celebration.

With love,
Your loving brother,
Ran Singh Parmar
Secretary, National Youth Project

'भारत की संतान' भाषाई एकता से राष्ट्रीय एकता की ओर

देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा चलाये जा रहे "भारत की संतान अभियान" वर्तमान भारत की राष्ट्रीय आवश्यकता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. इसके अंतर्गत प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का कार्य केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और भाषाई सौहार्द का एक जीवंत आंदोलन है।

इस अभिनव कार्यक्रम की परिकल्पना और प्रेरणा भाई जी डॉ. एस.एन. सुब्बाराव की उस व्यापक दृष्टि से ली गई है, जिसमें उन्होंने 18 भारतीय भाषाओं को जोड़कर देश की एकता को बनाए रखने और मजबूत करने का सपना देखा था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि भाषा सिर्फ संवाद का साधन नहीं, बल्कि हृदयों को जोड़ने वाली सेतु भी है।

इस अभियान के अंतर्गत आयोजित एक सत्र में 40 युवाओं को 18 भाषाओं में देशभक्ति गीतों के साथ–साथ उन भाषाओं की पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुति देने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।जिसमें युवा न केवल विभिन्न भाषाओं के गीत सीखते हैं, बल्कि उस भाषा और संस्कृति के प्रति आत्मीयता और सम्मान भी विकसित करते हैं।

यह प्रशिक्षण राष्ट्र निर्माण का एक सांस्कृतिक प्रयास है, जिसमें भाषा, संगीत, नृत्य और परिधान के माध्यम से एक गहन एकता का संदेश दिया जाता है, जब कोई युवा पंजाबी गीत गाता है, मराठी वेशभूषा पहनता है, या तेलुगु नृत्य करता है – तब वह स्वयं को संपूर्ण भारत का प्रतिनिधि मानता है। राष्ट्रीय युवा योजना इस भावना को 'भारत की संतान' अभियान के माध्यम से देश के कोने–कोने तक पहुंचाना चाहता है।

यह अभियान आज युवाओं को भाषाई एकता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की चेतना दे रहा है। भाई जी का यह सपना था कि भारत का युवा एक–दूसरे की भाषा और धर्म को सीखें, समझें और सम्मान करें – ताकि हम विविधताओं में एकता के वास्तविक अर्थ को महसूस कर सकें। राष्ट्रीय युवा योजना परिवार से जुड़े देशभर के नवजवान भाई–बहन इस दिशा में जो कार्य कर रहे है, वह अत्यंत सराहनीय है। हम सबका कर्तव्य है कि इस आंदोलन को जन–जन तक पहुंचाएं और (भारत की संतान) बनकर इस अभियान को एक राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव में परिवर्तित करें।

आपका प्यारा भाई
रन सिंह परमार
सचिव, राष्ट्रीय युवा योजना

भारत की संतान प्रकृति, संस्कृति और एकता का सशक्त संगम

केरल शिविर की रिपोर्ट

चालक्कुडी, केरल में आयोजित "भारत की संतान" मास्टर्स प्रशिक्षण शिविर मेरे लिए एक मात्र आयोजन नहीं था यह एक जीवन–परिवर्तनकारी अनुभव रहा। एक प्रतिभागी, एक प्रशिक्षक, और एक संचालक के रूप में मुझे युवाओं के साथ जुड़ने का जो अवसर मिला, वह वास्तव में राष्ट्रीय पुनर्जागरण की दिशा में एक दृढ़ कदम था। भारत की संतान अभियान का उद्देश्य जाति–पांति, धर्म–सम्प्रदाय, और भाषाई भेदभाव से परे उठकर अपनी जन्मभूमि की सेवा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए नवजवानों को तैयार करना है, जो हमारे गुरुवर स्वर्गीय एस. एन. सुब्बराव (भाई जी) की इच्छा थी और उन्होंने ता–उम्र उस पर काम किया।

आध्यात्मिक शुरुआत : योग, ध्यान और समग्र स्वास्थ्य

हर दिन की शुरुआत युवा गीत, योग और ध्यान और श्रम संस्कार से हुई। यह अभ्यास न केवल शरीर को चुस्त बनाता है बल्कि मन को स्थिर करता है जो गांधीजी के समग्र स्वास्थ्य, श्रम के प्रति सम्मान की अवधारणा से जुड़ा है। प्रशिक्षकों ने युवाओं को शारीरिक अनुशासन और मानसिक स्पष्टता और रचनात्मक कार्य के महत्व से भी अवगत कराया। भाई जी की नवजवानों से हमेशा "एक घंटा देश को और एक घंटा देह को" देने की अपील करते रहे हैं।

ध्वज अभिवादन : भावनाओं से ओत–प्रोत एक क्षण

प्रतिभागियों के साथ राष्ट्रीय ध्वज के समक्ष खड़ा होना, माथे पर गर्व और हृदय में समर्पण की भावना यह कोई औपचारिकता नहीं थी, बल्कि भारत के स्वाधीनता संग्राम की आत्मा का पुनः स्पंदन था। गांधीजी और नेताजी के विचारों से प्रेरित होकर प्रशिक्षकों ने युवाओं को तिरंगे के रंगों और अशोक चक्र के भावार्थ समझाने के साथ–साथ ध्वज को फहराने और उतारने के दौरान रस्सी बांधने की कला, ध्वज रक्षक, अतिथि और भागीदारों के सम्बन्ध में कुछ जरुरी और महत्वपूर्ण बातों को भी बताया गया। 'वंदे मातरम्, 'भारत माता की जय', और 'जय हिंद' जैसे नारों के उच्चारण ने वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा

हमेशा सर्वधर्म प्रार्थना सभा में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख आदि धर्मो की प्रार्थनाओं ने स्पष्ट किया कि धर्म एकता का आधार बन सकता है, न कि विभाजन का. वक्ताओं ने प्रसंसा की, सुकुमारन जी, मधु भाई, शिवानंद जी आदि ने युवाओं से करुणा, सहिष्णुता और सेवा की भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया. मधु भाई के द्वारा गाये भजन " सबके लिए खुला है मंदिर यह हमारा" की मधुर गूंज हमेशा गुंजायमान बनी रहेगी।

सांस्कृतिक एकता और भारत की संतान

हमारे संविधान में 22 भाषाओँ को दर्ज किया गया है, जबकि लगभग 15 सौ से भी अधिक स्थानीय बोलियाँ भी है। संविधान में दर्ज भाषाओँ की वेशभूषा में नवजवान जब अपनी भाषा की संगीत और नृत्य के साथ प्रस्तुत होते हैं तो नजारा कुछ अलग ही होता है, जो हमें एक भारत श्रेष्ठ भारत की अनुभूति कराता है। इस भारत की संतान कार्यक्रम के लिए प्रतिभागियों को बिहार के नीरज और आँध्रप्रदेश के के यादव राजू ने अपने अनथक प्रयास से गीत और नृत्य की समझाईस प्रदान की। मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, और पुदुचेरी से आए प्रतिभागियों ने विविधता को अपनाते हुए एकता की भावना को नया आयाम दिया। भाषाएँ, वेशभूषा, और रीति–रिवाज भिन्न होने के बावजूद, तिरंगे के समक्ष सब एक थे।

अथिरप्पिल्ली जलप्रपात यात्रा :

प्रकृति से जुड़ाव की अनुभूति

प्रसिद्ध जलप्रपात 'Niagara of India' की सैर, युवाओं के लिए एक शिक्षण अनुभव बन गई। श्री करायल सुकुमारन जी के नेतृत्व में प्रकृति संरक्षण पर चर्चा हुई। हम सबने महसूस किया कि पर्यावरणीय विविधता और स्थानीय आंदोलनों की जानकारी से युवाओं का जागरूक नागरिक बनना संभव है।

प्रमुख अतिथि और मार्गदर्शक वक्ता

उपरोक्त शिविर के दौरान श्री सनीश कुमार जोसेफ विधायक, चालक्कुडी, श्री शिबू वलप्पन म्यूनिसिपल चेयरमैन, डॉ. प्रसंथा, करुणाकरण जी, मधु भाई, शिवानंद भाजी, नीरज कुमार (बिहार), यादव राजू (तेलंगाना), शीतल जैन (मध्य प्रदेश) – सभी ने प्रेरणादायक सत्र लिए और युवाओं को सेवा, करुणा और अनुशासन की भावना से जोड़ने का कार्य किया।

इस शिविर को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी युवा साथी मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पुदुचेरी और तेलंगाना से आए प्रतिभागी धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता को अपनाते हुए भारत की एकता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

"भारत की संतान" प्रशिक्षण शिविर एक ऐसी जागृति है जो दिलों को जोड़ती है, मूल्यों को मजबूत करती है और युवाओं को राष्ट्रनिर्माण की यात्रा में सहभागी बनाती है। आज जब मैं लौट रहा हूँ, तब मेरे साथ आध्यात्मिक संतुलन, प्रकृति से प्रेम, और भारत की सांस्कृतिक एकता का गर्व है।

लेखक : रन सिंह परमार
सचिव
राष्ट्रीय युवा योजना

Bharat Ki Santan: A Powerful Confluence of Nature, Culture and Unity

The "Bharat Ki Santan" Masters Training Camp held in Chalakudy, Kerala was not just an event for me—it was a life-transforming experience. As a participant, trainer, and camp director, I had the privilege of connecting deeply with youth from across the country in a collective journey toward national renaissance. The vision of Bharat Ki Santan is to prepare young people to rise above caste, creed, and linguistic divisions and dedicate themselves wholeheartedly to the service of their motherland—an aspiration cherished and lived by our revered Guru, the late S. N. Subbarao (Bhai Ji), throughout his life.

Spiritual Beginnings : Yoga, Meditation and Holistic Health

Each day began with youth songs, yoga, meditation, and the ritual of manual labor (Shram Sanskar). These practices not only invigorated the body but also calmed the mind, echoing Gandhiji's philosophy of holistic health and dignity of labor. Trainers emphasized the value of physical discipline, mental clarity, and creative action. Bhai Ji always encouraged youth to dedicate "one hour to the nation and one hour to the body" daily.

Flag Salutation : A Moment Overflowing with Emotion

Standing before the national flag with pride in our hands and devotion in our hearts was not a mere ceremony — it was the revival of the soul of India's freedom movement. Inspired by Gandhiji and Netaji, trainers explained the symbolism behind the tricolour and Ashoka Chakra, while also teaching the nuances of flag hoisting, rope handling, roles of flag guardians, and etiquette for guests and participants. Patriotic chants like "Vande Mataram," "Bharat Mata Ki Jai," and "Jai Hind" filled the air with the spirit of sacrifice and love for India.

All Religious Prayers Meeting: Sarvadharma Prarathana Sabha

The interfaith prayer session included recitations from Hindu, Muslim, Christian, Sikh and other traditions, illustrating that religion can unite, not divide. Speakers like Dr.

Prasantha, Sukumaran Ji, Madhu Bhai, and Shivananad Bhaji called upon youth to internalize compassion, tolerance and a spirit of service. Madhu Bhai's soulful bhajan “Sabke Liye Khula Hai Mandir Yeh Hamara” echoed through hearts and minds.

Cultural Unity Through Bharat Ki Santan

While our Constitution recognizes 22 official languages, India is home to over 1500 dialects. When youth dressed in their cultural attire performed songs and dances in their native tongues, it created a mesmerizing showcase of “Ek Bharat, Shreshtha Bharat.” Neeraj Kumar from Bihar and K. Yadav Raju from Andhra Pradesh worked tirelessly to coach participants in music and choreography. Young representatives from Madhya Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka, Telangana, and Puducherry embraced diversity and stood united under the tricolour.

Athirappilly Falls Visit: A Deep Connection with Nature

The educational visit to the "Niagara of India" Athirappilly Waterfalls was both beautiful and enlightening. Under the guidance of Shri Karayil Sukumaran Ji, youth explored themes of ecological diversity and local conservation movements. It was a reminder that informed and environmentally conscious citizens are vital to India's progress.

Guests and Lecture

The camp was enriched by inspiring sessions from Mr. Sanish Kumar Joseph – MLA, Chalakudy, Mr. Shibu Valappan – Municipal Chairman, Dr. Prasantha, Karunakaran Ji, Madhu Bhai, Shivanand Bhaji, Neeraj Kumar (Bihar), Shital jain (Madhya Pradesh) and Yadav Raju (Telangana) — all of whom energized the youth with their wisdom and call to disciplined service.

I extend heartfelt gratitude to all youth participants from Madhya Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka, Puducherry and Telangana who embraced cultural and linguistic diversity while embodying national unity.

The “Bharat Ki Santan” (Children's of Mother India) camp was a spiritual awakening—a celebration of values, identity, and commitment. As I return, I carry with me a renewed sense of balance, love

करायिल सुकुमारन जी "जन विज्ञान पुरस्कार" से सम्मानित

राष्ट्रीय युवा योजना के कोषाध्यक्ष श्री करायिल सुकुमारन जी को केरल एसोसिएशन फॉर नॉन फॉर्मल एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (KANFED) द्वारा उनके सामाजिक परिवर्तन, शिक्षात्मक सेवा, और गाँधीवादी मूल्यों के प्रति आजीवन समर्पण हेतु "जन विज्ञान पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार केरल में आयोजित KANFED की 48वीं वर्षगांठ के अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. बी. एस. बालचंद्रन द्वारा एक सादे व गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि सुकुमारन जी ने युवावस्था में ही राष्ट्रीय युवा योजना के संस्थापक स्व. एस. एन. सुब्बाराव जी के मार्गदर्शन में समाज सेवा का व्रत ले लिया था। तब से वे निरंतर देश–भर में नवजवानों को देशभक्ति, भाईचारा, एकता और मानव सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। उनकी सादगी, स्पष्टता और निष्ठा ने हजारों युवाओं को राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटने की प्रेरणा दी है। आज वे न सिर्फ संगठन के कोषाध्यक्ष हैं, बल्कि एक विचारधारा के वाहक भी हैं, जो "भारत की संतान" आंदोलन की आत्मा को जीवंत बनाए हुए हैं।

राष्ट्रीय युवा योजना के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सुकुमारन जी को बधाई दी और उनके प्रेरणादायक नेतृत्व को भारत की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रकाशस्तंभ बताया।

Karayil Sukumaran Ji Honored with Jan Vigyan Award

Mr. Karayil Sukumaran, Treasurer of the National Youth Project (NYP), has been honored with the prestigious "Jan Vigyan Award" by the Kerala Association for Non-Formal Education and Development (KANFED). The award recognizes his lifelong dedication to social transformation and Gandhian values. It was presented in a humble yet dignified ceremony by the President of KANFED Dr. B.S. Balachandran, during the 48th anniversary celebration of the organization in Kerala.

Sukumaran Ji dedicated his life to social work from a young age under the guidance of the late Shri S. N. Subbarao, founder of the National Youth Project. Since then, he has been actively inspiring youth across the nation and abroad to commit themselves to patriotism, unity, and service.

His simplicity, clarity of purpose, and unwavering commitment have motivated thousands to take part in nation-building. Today, he stands not only as an administrator but as a torchbearer of the movement that breathes life into the spirit of "Bharat Ki Santan."

Members and officials of the National Youth Project have extended their heartfelt congratulations and described his leadership as a shining beacon for India's youth.

"नशा मुक्त युवा विकसित भारत" अभियान में राष्ट्रीय युवा योजना की सहभागिता

भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत एक युवा अध्यात्मिक समिट 18 से 20 जुलाई 2025 को रुद्राक्ष इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर, वाराणसी में आयोजित की गयी। इसका उद्देश्य युवाओं को नशा उन्मूलन की मुहिम से जोड़ना और राष्ट्र को मजबूत बनाने की दिशा में उनकी नेतृत्वकारी भूमिका को प्रोत्साहित करना था। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय युवा योजना (NYP) के पाँच प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें हरियाणा से आशा रानी और अंशु तथा मध्य प्रदेश से धर्मवीर, आकाश और सुभाष धाकड़ सामिल थे।

इन प्रतिनिधियों की सहभागिता ने NYP की गांधीवादी मूल्यों और सामाजिक चेतना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाया। ग्रामीण समुदायों में जागरूकता अभियान चलाने से लेकर खेल और कौशल प्रशिक्षण जैसे विकल्पों को बढ़ावा देने तक, सभी ने जमीनी स्तर की रणनीतियों पर बल दिया। आशा रानी ने घर और मोहल्लों में जागरूकता की पहल की बात की, जबकि कल्पना ने स्कूलों और कॉलेजों में कहानी, संगीत और संवाद के माध्यम से युवा जागरूकता पर जोर दिया। धर्मवीर ने चंबल में नशा मुक्ति के गांवों में संदेश फैलाने की प्रतिबद्धता जताई। आकाश ने ग्रामीण युवाओं के लिए युवा क्लबों के गठन का सुझाव दिया ताकि उन्हें स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित किया जा सके। सुभाष धाकड़ ने लोक माध्यमों और नुक्कड़ नाटकों के जरिये युवाओं को "नशा मुक्त दूत" के रूप में प्रशिक्षित करने की बात कही।

सम्मेलन में युवा कार्य सचिव ने सभी प्रतिभागियों से ठोस कदम उठाने और रणनीतियों को साझा कर जमीनी प्रयासों में सहयोग करने का आह्वान किया। यह आयोजन विचारों के आदान–प्रदान, साझेदारी और रणनीतिक योजना का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ, जहां NYP ने फिर से संकल्प लिया कि वह सांस्कृतिक सहभागिता, युवा नेतृत्व और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से देशभर में

“NYP delegates in Nasha Mukt Yuva – Viksit Bharat” campaign

The Ministry of Youth Affairs and Sports, Government of India, organized “A Youth Spritual Summit” under the “Nasha Mukt Yuva – Viksit Bharat” campaign from 18-20 July 2025 at Rudraksh International Cooperation and Convention Centre, Varansi, aimed at involving youth in the mission to eliminate substance abuse and strengthen the nation. Five representatives from the National Youth Project (NYP) participated in the event: Asha Rani and Anshu from Haryana, and Dharmveer, Akash, and Subhash Dhakad from Madhya Pradesh.

Their contributions reflected NYP's deep commitment to Gandhian values and social consciousness. From organizing awareness campaigns in rural communities to promoting alternative activities like sports and skill development, each representative emphasized innovative grassroots strategies.

Asha Rani spoke about initiating awareness efforts in homes and neighborhoods, while Kalpana highlighted creative methods such as storytelling and music in schools and colleges. Dharmveer stressed the transformative power of youth, pledging outreach to villages in the Chambal region. Akash suggested forming youth clubs to guide rural youth toward healthy lifestyles, and Subhash Dhakad proposed training local youth groups as “drug-free ambassadors” using folk media and street plays. The Secretary of Youth Affairs called upon participants to take decisive action, share strategies, and collaborate on ground-level initiatives like camps and counseling centers.

The conference emerged as a strategic platform for sharing ideas, building cooperation, and reaffirming NYP's resolve to lead the movement through cultural engagement, youth leadership, and community involvement across India.

भारत की संतान अभियान

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

जौरा शिविर की रिपोर्ट

भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है. विविध भाषा, संस्कृति, परंपरा और वेशभूषा ये सब मिलकर भारत को एक जीवंत राष्ट्र बनाती हैं। इसी विविधता में एकता को सशक्त करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा "भारत की संतान" अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी प्रेरणा स्वर्गीय भाई जी डॉ. एस. एन. सुब्बाराव के विचारों से ली गई है। भाई जी ने युवाओं को जोड़ने के लिए 18 भारतीय भाषाओं में गीत और नृत्य के माध्यम से एकता का संदेश देने की कल्पना की थी।

एक राष्ट्रीय पहल

11 से 14 अगस्त 2025 तक महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा में "भारत की संतान" अभियान के तहत प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (Training of Trainers – TOT) आयोजित किया गया। इस चार दिवसीय शिविर में देश के 10 राज्यों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह विभिन्न राज्यों की सहभागिता इस अभियान की राष्ट्रीय व्यापकता और भाषाई–सांस्कृतिक एकता की भावना को सशक्त रूप से दर्शाती है।

प्रशिक्षण की प्रमुख गतिविधियाँ

उद्घाटन सत्र में स्थानीय गणमान्य नागरिक और नगर–पालिका अध्यक्ष अखिल महेश्वरी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विविध विषयों पर समग्र प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उनमें राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और नेतृत्व कौशल का विकास हो सके। उन्हें "भारत की संतान" गीत व नृत्य का अभ्यास कराया गया, जिसमें 18 भारतीय भाषाओं में देशभक्ति की भावना से ओत–प्रोत गीत शामिल थे। राष्ट्रीय ध्वज वंदन के माध्यम से तिरंगे के प्रति सम्मान और उसकी गरिमा का संदेश दिया गया. सामूहिक खेलों के आयोजन ने टीम भावना और सहयोग की संस्कृति को प्रोत्साहित किया। सर्वधर्म प्रार्थना सत्रों ने सभी धर्मों के मूल्यों को सम्मान देने की भावना को सुदृढ़ किया। साथ ही, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य और कला का जीवंत प्रदर्शन कर भारत की विविधता में एकता का संदेश दिया।

हर घर तिरंगा रैली : जनजागरण की पहल

शिविर के अंतिम दिन "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत शहर में एक रैली निकाली गई, जिसमें प्रशिक्षुओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देशभक्ति के नारों से जौरा नगर गूंज उठा, ''तिरंगे की शान में, नौजवान मैदान में'', हर घर तिरंगा फहरेगा, राष्ट्र का मान बढ़ेगा!

फॉलो–अप योजना : भारत की संतान को जन–जन तक पहुँचाने की रणनीति

प्रशिक्षण के दौरान यह तय किया गया कि प्रशिक्षु अपने–अपने क्षेत्रों में अभियान को आगे बढ़ाएंगे। इसके लिए एक चरणबद्ध योजना बनाई गई।

1. मुख्य टीम का गठन – अभियान को अपने क्षेत्र में प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए सबसे पहला कदम है एक मजबूत और समर्पित टीम का निर्माण। इसके लिए समान विचारधारा वाले साथियों को जोड़ें जो इस सांस्कृतिक एकता के उद्देश्य को समझते हों और उसमें योगदान देना चाहते हों। इन साथियों के साथ मिलकर एक आयोजन टीम बनाएं जो कार्यक्रमों की योजना बनाने, क्रियान्वयन करने और स्थानीय स्तर पर भारत की संतान गतिविधियों को सशक्त रूप से संचालित करने में सहयोग करे।

2. शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ाव – भारत की संतान अभियान को जन–जन तक पहुँचाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। स्कूल, कॉलेज और प्रशिक्षण केंद्रों से संपर्क करें और उन्हें इस अभियान के महत्व से अवगत कराएं। उनके साथ मिलकर सामुदायिक खेल, देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति, सर्वधर्म प्रार्थना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करें, जिससे विद्यार्थियों और युवाओं में एकता, समरसता और सांस्कृतिक सम्मान की भावना विकसित हो।

3. अभ्यास समूह का निर्माण – कार्यक्रमों की गुणवत्ता और प्रभाव को बनाए रखने के लिए एक नियमित अभ्यास करने वाली टीम बनाना जरूरी है। इस टीम के साथ गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अभ्यास सत्र आयोजित करें। यह टीम हमेशा तैयार रहे ताकि किसी भी आयोजन में आत्मविश्वास और समर्पण के साथ प्रस्तुति दी जा सके। अभ्यास से न केवल प्रस्तुति बेहतर होगी, बल्कि टीम भावना भी मजबूत होगी।

4. भाई जी के गीतों का प्रचार–प्रसार – भाई जी डॉ. एस.एन. सुब्बाराव द्वारा रचित गीतों में एकता, प्रेम और राष्ट्रभक्ति की गहराई समाहित है. भारत की संतान गीत सहित अन्य प्रेरणादायक गीतों को शैक्षणिक संस्थानों, सांस्कृतिक समूहों और समुदाय के लोगों के साथ साझा करें। उन्हें इन गीतों को सीखने, अभ्यास करने और अपने कार्यक्रमों में शामिल करने के लिए प्रेरित करें ताकि भाई जी की भावना जन–जन तक पहुँचे।

5. सांस्कृतिक पोशाक की तैयारी – भारत की संतान की प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाने के लिए एक सुंदर और एकरूप ड्रेस किट तैयार रखें. वेशभूषा विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के अनुसार विविध हो सकती है, लेकिन प्रस्तुति में सौंदर्य और एकरूपता बनाए रखना आवश्यक है। इससे दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान भी बढ़ेगा।

6. स्थानीय संगठनों से सहयोग – अपने क्षेत्र के सांस्कृतिक और सामाजिक संगठनों से संपर्क करें और भारत की संतान अभियान का विचार उनके साथ साझा करें।उन्हें प्रेरित करें कि वे इस अभियान को अपने वार्षिक या विशेष कार्यक्रमों में शामिल करें। इस सहयोग से अभियान को स्थानीय पहचान मिलेगी और अधिक लोगों तक इसकी पहुँच बनेगी।

7. एक स्कूल को गोद लें – अपने क्षेत्र में एक स्कूल को नियमित गतिविधियों के लिए गोद लें, जहाँ समय–समय पर सामुदायिक खेल, गीत, प्रार्थना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जा सकें. इससे न केवल बच्चों में सांस्कृतिक चेतना जागेगी, बल्कि आपके नेतृत्व कौशल, आत्मविश्वास और आयोजन क्षमता में भी वृ) होगी. यह एक दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ने वाला कदम होगा। भारत की संतान अभियान से जुड़ने के कई लाभ हैं। सबसे पहले, आपके कार्य को प्रमोशन मिलेगा और अधिक लोग आपके प्रयासों से जुड़ेंगे। दूसरा, आपके नेतृत्व को मान्यता मिलेगी जिससे सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। तीसरा, आप एक सुविधा केंद्र बन सकते हैं जहाँ लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन लेने आएंगे और चौथा, आप एक राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक नेटवर्क का हिस्सा बनेंगे, जिससे आपके अनुभव और अवसर दोनों बढ़ेंगे।

प्रशिक्षण का निर्देशन

प्रशिक्षण का निर्देशन राष्ट्रीय युवा योजना के ट्रस्टीगण श्री रन सिंह परमार, श्री करायिल सुकुमारन (केरल), श्री मधुसूदन दास (उड़ीसा), डॉ. भार्गव (तेलंगाना), विनय भाई (छत्तीसगढ़) और नीरज कुमार (बिहार) ने किया।

एकता का उत्सव

14 अगस्त को मनकामेश्वर मंदिर के सभागार में समापन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें प्रशिक्षुओं ने भारत की संतान की प्रस्तुति देकर नागरिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्कृत, मणिपुरी, आसामी, कश्मीरी, गुजराती, मलयालम, मराठी, बंगाली, तेलुगु, सिंधी, उर्दू, ओड़िया, नेपाली, कोंकणी, कन्नड़, पंजाबी, तमिल और हिंदी भाषाओं की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की गई। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कैलाश शारदा मित्तल, अनिल भाई, बहादुर सिंह और प्रफुल्ल श्रीवास्तव द्वारा सभी प्रशिक्षुओं को सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

एकता की ओर एक अनूंठा पहला कदम

"भारत की संतान" प्रशिक्षण का समापन एक नई शुरुआत है। यह केवल एक शिविर नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है जो गाँव–गाँव, मोहल्ले–मोहल्ले और दिल–दिल तक पहुँचना चाहता है। भाई जी का सपना था कि भारत की विविधता एकता में बदले और यह अभियान उसी सपने को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

Bharat Ki Santan Campaign:
Training of Trainers

Report from the Joura Camp

India's diversity is its greatest strength. Different Languages, cultures, traditions, and attire—all come together to make India a vibrant and living nation. To empower unity within this diversity, the National Youth Project has launched the "Bharat Ki Santan"(Children's of Mother India) campaign, inspired by the vision of the late Bhai Ji Dr. S. N. Subbarao. Bhai Ji envisioned a movement that would connect youth through songs and dances in 18 Indian languages, spreading a message of unity and harmony.

TOT Camp in Joura : A National Initiative

A four-day Training of Trainers (TOT) camp was organized under the "Bharat Ki Santan" campaign from August 11 to 14, 2025 at Mahatma Gandhi Seva Ashram in Joura. More than 50 participants from 10 states across India took part in this national-level training. This diverse participation reflected the campaign's national reach and its commitment to linguistic and cultural unity.

Key Training Activities

Local dignitaries and chairman of Nagar Palika Joura Akhil Maheshwari were present in inauguration session of the camp.During the camp, participants received comprehensive training across various themes aimed at fostering national unity, cultural harmony, and leadership skills. They practiced the "Bharat Ki Santan" songs and dance, which are infused with patriotic spirit and presented in 18 Indian languages. Through the National Flag Salutation, they were reminded of the dignity and respect associated with the tricolor. Group games were conducted to promote teamwork and cooperation.

prayer sessions reinforced respect for the values of all religions. Additionally, cultural performances showcased traditional attire, dance, and art from different states, delivering a powerful message of unity in diversity.

Har Ghar Tiranga Rally : A Public Awakening

On the final day of the camp, a spirited rally was organized under the "Har Ghar Tiranga" campaign. Trainees and local citizens participated enthusiastically, filling the streets with patriotic slogans:"In honor of the tricolor, the youth take the field!" "Every home will hoist the Tiranga, the pride of the nation will rise!" This rally served as a vibrant call to action, inspiring citizens to embrace national pride and unity through visible and heartfelt participation.

Follow-Up Plan: Strategy to Take Bharat Ki Santan to Every Corner of Society

During the training, it was decided that each trainee would carry forward the spirit of the Bharat Ki Santan campaign in their respective regions. To ensure effective implementation, a step-by-step follow-up plan was developed:

1. Formation of a Core Team : The first step in advancing the campaign locally is to build a strong and dedicated team. Identify like-minded individuals who understand and support the mission of cultural unity. Form an organizing team with them to plan, execute, and actively lead Bharat Ki Santan activities at the community level.

2. Engagement with Educational Institutions and NGOs : To expand the campaign's reach, it is essential to connect with schools, colleges NGOs, and training centers. Introduce them to the significance of Bharat Ki Santan and collaborate to organize community games, patriotic song presentations, interfaith prayers, and cultural programs. These activities will help instill unity, harmony, and cultural respect among students.

3. Formation of a Practice Team : To maintain the quality and impact of the programs, form a team that meets regularly for practice. Conduct sessions focused on songs, dances, and cultural presentations. This team should be ready to perform confidently and passionately at any event. Regular practice will enhance both presentation skills and team spirit.

4. Promotion of Bhai Ji's Songs : The songs composed by Bhai Ji Dr. S. N. Subbarao carry deep messages of unity, love, and patriotism. Share links to Bharat Ki Santan songs and other inspirational compositions with educational institutions, cultural groups, and community members. Encourage them to learn and include these songs in their own programs, helping spread Bhai Ji's vision far and wide.

5. Preparation of Cultural Costumes : To make Bharat Ki Santan presentations visually impactful, prepare a well-coordinated dress kit. While costumes may vary according to language and culture, strive for aesthetic harmony and consistency in presentation. This will leave a positive impression on audiences and promote respect for cultural diversity.

6. Collaboration with Local Organizations : Reach out to cultural and social organizations in your area and share the concept of Bharat Ki Santan with them. Motivate them to include this campaign in their annual or special events. Such collaborations will give the campaign local recognition and help it reach a wider audience,

7. Adopt a School for Regular Activities : Choose a school in your region to conduct regular activities such as community

Ran Singh Parmar, Shri Karayil Sukumaran (Kerala), Shri Madhusudan Das (Odisha) and others senior activist of NYP, Dr. Bhargav (Telangana), Vinay Bhai (Chhattisgarh), and Neeraj Kumar (Bihar). Their collective guidance ensured that the sessions were rich in purpose, deeply rooted in cultural values, and aligned with the vision of national unity.

games, songs, prayers, and cultural presentations. This will not only awaken cultural awareness among children but also enhance your leadership skills, confidence, and ability to organize timely programs. It's a step that will leave a lasting impact. Joining the Bharat Ki Santan campaign brings several benefits. First, your work will gain visibility and reach more people. Second, your leadership will be recognized, increasing your social respect. Third, you may become a resource center where others seek guidance for cultural programs. And fourth, you'll become part of a national network of cultural trainers and leaders, expanding your experience and opportunities.

This follow-up plan is not just a roadmap : it's a call to action. The training may have concluded, but the journey of Bharat Ki Santan has only just begun. Step forward, stay active, and inspire others to join this movement of unity and culture.

Training Leadership : The training was led by the trustees of the National Youth Project—Shri

Celebration of Unity : On August 14, the closing ceremony was held at the auditorium of Mankameshwar Temple, where the trainees mesmerized the audience with their presentation of "Bharat Ki Santan." They showcased the cultural essence of Sanskrit, Manipuri, Assamese, Kashmiri, Gujarati, Malayalam, Marathi, Bengali, Telugu, Sindhi, Urdu, Odia, Nepali, Konkani, Kannada, Punjabi, Tamil, and Hindi languages. Former Municipal Council President Smt. Kailash Sharda Mittal, Anil Bhai, Bahadur Singh, and Prafull Srivastava honored all trainees with certificates and mementos.

A First Step Toward Unity

The conclusion of the "Bharat Ki Santan" training marks not an end, but a new beginning. This is not merely a camp—it is a cultural movement that seeks to reach every village, every neighbourhood, and every heart. It is a concrete step toward realizing Bhai Ji's dream of

Glimpses of Joura Camp

BHARAT

KASHMIRI
URDU

NATIONAL YOUTH PROJECT
PRESENT'S
INDIA
SINDHI
NEPALI
ASSAMESE

YOUTH PROJECT
ESENT'S
INDIA
UNITY IN DIVERS

OJECT
ANTA

NATIONAL YOUTH PR
PRESENT'S
HARAT KI SANT
INDIA
UNITY IN DIVE

BHARAT KI
SANTAN

NATIO
H PROJECT
HARA
ANTAN
ERSITY
2025

BHARAT
SANTAN

NATIONAL YOUTH PROJECT
PRESENT'S
HARAT KI SAN

वैश्विक युवा महोत्सव 2025 का आयोजन पानीपत में

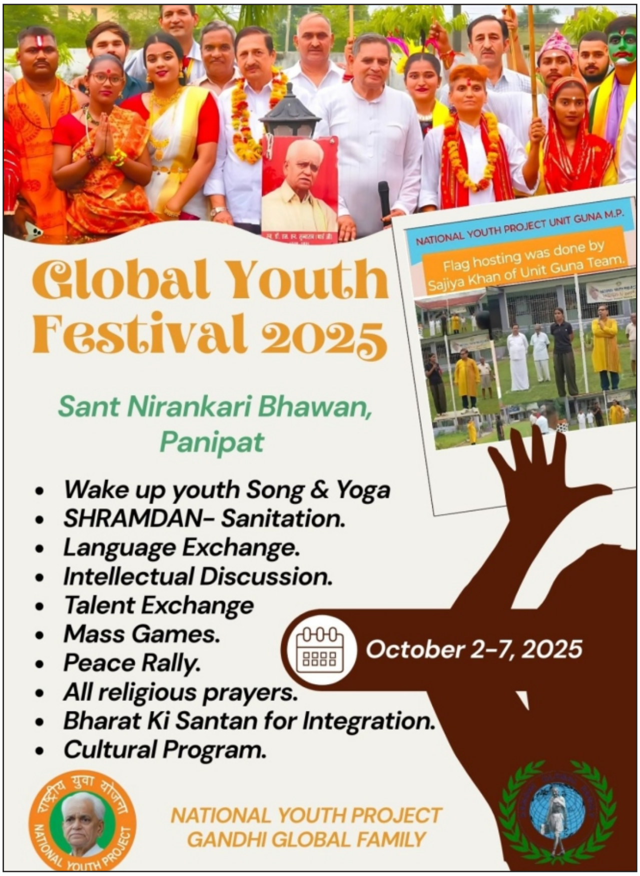

राष्ट्रीय युवा योजना (NYP) और ग्लोबल गाँधी फैमिली के द्वारा संयुक्त रूप से हरियाणा के पानीपत में ग्लोबल यूथ फेस्टिवल 2025 का आयोजन 2 से 7 अक्टूबर तक संत निरंकारी मिशन भवन, असंध रोड, पानीपत में किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा योजना के सचिव रन सिंह परमार ने बताया की इस ऐतिहासिक शिविर की मेजबानी गांधी ग्लोबल फैमिली एवं निर्मला देशपांडे संस्थान के महासचिव श्री राम मोहन राय द्वारा की जा रही है।

उन्होंने बताया कि शिविर महात्मा गांधी, विनोबा भावे, दीदी निर्मला देशपांडे और भाई जी डश्व. एस.एन. सुब्बराव जैसे महान विचारकों को समर्पित है, जिनकी प्रेरणा आज भी युवाओं को एकता, शांति और सेवा के मार्ग पर अग्रसर करती है. 250 युवाओं की सहभागिता की योजना को ध्यान में रखते हुए आयोजित होने वाले इस शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों एवं कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित लगभग 390 युवा प्रतिभागियों ने अभी तक पंजीयन करा लिए है। इसके सापेक्ष 230 भागीदारो ने अपनी यात्रा टिकट और विवरण को भी साझा किया है. इसमें हरियाणा राज्य के 100 प्रतिभागियों ने भी पंजीयन कराया है।

शिविर की प्रमुख गतिविधियों में शहीद भगत सिंह और महात्मा गांधी की जयंती पर संवाद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, सेवा कार्य, पर्यावरणीय पहल, डिजिटल समावेशन और सामाजिक न्याय पर कार्यशालाएँ शामिल हैं। प्रतिभागियों को साधारण आवास की सुविधा, शाकाहारी भोजन और स्थानीय परिवहन की सुविधा आयोजकों द्वारा दी जाएगी।

अगस्त के तीसरे सप्ताह में राष्ट्रीय युवा योजना के पदाधिकारियो करायिल सुकुमारन और मधुसुदन दास ने पानीपत का भ्रमण किया और ग्लोबल गाँधी फैमिली के राममोहन राय जी से मुलाकात कर तैयारियो का जायजा लिया. ग्लोबल गाँधी फैमिली के राममोहन राय ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों, गणमान्य व्यक्तियों, मार्गदर्शकों और विशेष अतिथियों का एकता के इस वैश्विक भाईचारे के उत्सव में हार्दिक स्वागत है।

Global Youth Festival 2025 to be held in Panipat

The Global Youth Festival 2025 is being jointly organized by the National Youth Project (NYP) and the Global Gandhi Family from October 2 to 7 at the Sant Nirankari Mission Bhavan, Assandh Road, Panipat, Haryana. NYP Secretary Mr. Ran Singh Parmar shared that this historic camp will be hosted by Mr. Ram Mohan Rai, Secretary General of the Gandhi Global Family and the Nirmala Deshpande Institute.

He stated that the camp is dedicated to great thinkers like Mahatma Gandhi, Vinoba Bhave, Didi Nirmala Deshpande, and Bhai Ji Dr. S.N. Subbarao, whose inspiration continues to guide youth toward unity, peace, and service. While the camp was initially planned for 250 youth participants, around 390 young individuals from various Indian states and some international representatives have already registered. Of these, 230 have submitted their travel tickets and details. Notably, 100 participants from Haryana have also registered.

Key activities of the camp include dialogues on the birth anniversaries of Shaheed Bhagat Singh and Mahatma Gandhi, cultural performances, service initiatives, environmental campaigns, digital inclusion, and workshops on social justice. Organizers will provide participants with basic accommodation, vegetarian meals, and local transportation.

In the third week of August, NYP officials Karayil Sukumaran and Madhusudan Das visited Panipat and met with Mr. Ram Mohan Rai of the Global Gandhi Family to review preparations. Mr. Rai expressed joy and extended a heartfelt welcome to all participants, dignitaries, mentors, and special guests for this celebration of global brotherhood and unity.

राष्ट्रीय युवा सेवा फैलोशिप

एकता, नेतृत्व और सेवा का राष्ट्रीय अभियान

युवाओं में सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रीय एकता की भावना को सशक्त करने हेतु युवान फाउंडेशन और राष्ट्रीय युवा योजना के संयुक्त प्रयास से राष्ट्रीय युवान सेवा फैलोशिप प्रस्तावित किया गया है। यह फैलोशिप 15 अगस्त से 8 अक्टूबर 2025 तक चलेगी, जिसमें देशभर के 24 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से युवा स्वयं सेवक भाग ले रहे हैं।

इस फैलोशिप का अंतिम सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर जो "दान उत्सव" के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें सेवा के आनंद को विविध गतिविधियों के माध्यम से जन–जन तक पहुँचाया जाएगा। प्रतिभागियों को नेतृत्व निर्माण, सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय जागरूकता जैसे विषयों पर कार्य करने का अवसर मिलेगा. इसकी मुख्य गतिविधियों में समाज परिवर्तन की कला, ग्रीन चौंपियन–इंडिया, सामुदायिक रसोई, स्वच्छ भारत मिशन, दया और करुणा, दान की कहानी, कौशल बैंक, वाल ऑफ एक्शन, शांति और समावेश के लिए युवा विषय शामिल होगा।

इस फेलोशिप के अंत में 1 नवम्बर को युवान फाउंडेशन दिवस पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जायेगा, जिसमे शीर्ष तीन टीमों को नकद पुरस्कार और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए इस वेबसाइट www.yuvaan.org को देखकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

National Youth Service Fellowship :

A Campaign for Unity, Leadership, and Service

To strengthen the spirit of service, leadership, and national unity among youth, the Yuvaan Foundation and National Youth Project are jointly organizing the National Yuvaan Service Fellowship. This fellowship will run from August 15 to October 8, 2025, with youth volunteers participating from 24 states and 2 union territories across India.

The final week of the fellowship — October 2 to 8 — will be celebrated as "Daan Utsav" (Festival of Giving), spreading the joy of service through diverse activities. Participants will engage in projects focused on leadership development, social inclusion, and environmental awareness.

Major activities include: Art of Social Change, Green Champion – India, Community Kitchens, Swachh Bharat Mission, Compassion and Kindness, Stories of Giving, Skill Bank, Wall of Action, Youth for Peace and Inclusion. The fellowship will conclude with an award ceremony on November 1, marking Yuvaan Foundation Day. The top three teams will receive cash prizes, and all participants will be awarded certificates. For more details, visit www.yuvaan.org.

National Youth Project: Mission and Activities

The National Youth Project (NYP) was founded in the 1970s by Gandhian thinker and social worker Dr. S.N. Subba Rao, affectionately known as Bhai Ji. Its aim has been to connect youth with the process of nation-building, instill a spirit of service and moral values, and strengthen social unity and harmony.

Key Activities Over Five Decades

1. **National Unity & International Youth Leadership Camps-** Camps were held across Indian states and in Bangladesh, Sri Lanka, USA, Nepal, and Indonesia, bringing together youth from diverse languages, religions, and cultures to foster mutual understanding and brotherhood.
2. **Disaster Management / Spirit of Service –** During natural calamities such as super cyclones, tsunamis, earthquakes, and droughts, relief and rehabilitation efforts were carried out across the country with the help of youth, through service-oriented initiatives and relief camps.
3. **Communal Harmony-** During times of communal tension, NYP facilitated dialogue and peace-building through youth engagement.
4. **Environmental Protection-** Awareness programs were conducted for tree plantation, water conservation, and clean energy. Notably, 1 million trees were planted in Kevadia, Gujarat.
5. **Sadbhavana Rail Yatra (Harmony Train Journey)-** In the 1990s, under Bhai Ji's leadership, this historic movement spread messages of unity, love, and peace across India in three phases.

Youth Camp Activities

Daily activities in NYP camps include:

- Yoga sessions
- Voluntary labor (Shramdaan)
- Discussions on pressing issues
- Group sports
- Interfaith prayers
- Cultural programs featuring multilingual songs like “Bharat Ki Santan”
- Flag hoisting
- Language classes
- Skill-sharing
- City tours and rallies

Impact

Millions of youth have contributed to nation-building through NYP. It has strengthened the culture of brotherhood, non-violence, and love. Its role in promoting education, sanitation, de-addiction, and environmental protection in villages has been widely appreciated. The series of youth camps continues, and NYP is actively running the Bharat Ki Santan campaign.

Our Inspiration: Dr. S.N. Subba Rao

Born on 7 February 1929 in Salem, Karnataka, Bhai Ji was deeply influenced by Mahatma Gandhi's principles from childhood. At just 13, he joined the Quit India Movement. Though he completed a law degree, he dedicated his life to social service and youth guidance.

He was actively involved with Rashtra Seva Dal and Congress Seva Dal, instilling patriotism, leadership, and social responsibility in thousands of youths from 1943 to 1969. His unique method of inspiring youth through songs and

bhajans left a lasting impression.

In 1969, during Gandhi's birth centenary, he launched the Gandhi Darshan Train and used its resources to establish the Mahatma Gandhi Seva Ashram in Joura (Chambal Valley). Through dialogue, bhajans, and messages of non-violence, he inspired 654 dacoits to surrender and rehabilitate between 1972–74—an historic achievement.

In 1970, he founded National Youth Project, organizing millions of youth for unity, harmony, disaster relief, and rural development. His campaigns like Sadbhavana Rail Yatra spread communal harmony across India.

Bhai Ji received numerous national and international awards. He passed away on 27 October 2021 at the age of 92, having devoted his life to building the nation through truth, non-violence, love, and brotherhood.

Bhai Ji's Message to Youth

"If you want to make your life meaningful and help build a better Mother India and a better world—congratulations!"

You are welcome to join the NYP family, which includes over 200,000 youth (men and women) across India and abroad.

What It Means to Be a member

We all know that some forces cause harm, but they are few. Many more people want a happy society—but they are scattered and lack a plan. Becoming an NYP member means becoming an active, positive, and honest contributor to society.

How to Begin

· Be assured: others think like you—"We can make the world happier, and we must."

· Gather like-minded people for a meeting. Choose a time and place—your home, a friend's house, a field, or under a tree.

· Start the meeting with a song if possible, especially in a community setting.

· Make a list of those who join your NYP unit. Explain that NYP means action. Plan at least four monthly programs with members in your village/town/ward:

Day	Activity
First Saturday	Intellectual session, debates, book reviews
Second Sunday	Community work: tree planting, road repair, water conservation
Third Saturday	Interfaith prayer followed by cultural program
Last Saturday	Interfaith Prayers followed by cultural program

· Observe national days: 15 August, 26 January, 12 January (Youth Day), 2 October. Visit a village (preferably by bicycle) and discuss local issues with villagers.

· Stay in touch with your state NYP centre and register your unit. Selected youth may occasionally attend NYP camps and programs.

"Life becomes joyful and fulfilling when one acts for the benefit of others."

National Youth Project

Alapur, Joura, District Morena (M.P.) – 476221

Email: nypindiadelhi@gmail.com

Contact: 9993592425, Website: www.nypindia.org

राष्ट्रीय युवा योजना के कोषाध्यक्ष श्री के. सुकुमारन जन विज्ञान पुरस्कार प्राप्त करते हुए। यह पुरस्कार केरला एसोसिएशन फोर नॉन फॉर्मल एजुकेशन एण्ड डवलपमेंट द्वारा प्रदान किया गया।

केरल में राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा आयोजित भारत की संतान मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग में आये हुए विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों का समूह चित्र।

जौरा में राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा आयोजित भारत की संतान मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग में आये हुए विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों का समूह चित्र।